भारत का विदेश व्यापार: 2012-13 (अप्रैल-सितंबर)*

इस लेख में अप्रैल-सितंबर 2012-13 (पहली छमाही) के दौरान भारत के पण्य व्यापार की समीक्षा की गई है जो वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) द्वारा जारी आंकड़ों पर आधारित है। इस लेख में वर्ष 2012-13 की पहली तिमाही में पण्य-वार और दिशा-वार विवरण का अलग-अलग विश्लेषण भी किया गया है।

मुख्य-मुख्य बातें

भारत के व्यापार के निष्पादन पर विकसित देशों के साथ ही साथ प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में आई व्यापारिक कमजोरी और घरेलू आर्थिक गतिविधियों में मंदी का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में लगातार मंदी के संकेतों के साथ निर्यात निष्पादन में 2011-12 की दूसरी छमाही में प्रारंभ हुई कमी की स्थिति 2012-13 की पहली छमाही में और बिगड़ गई। आयात में कमी से घरेलू आर्थिक गतिविधियों में व्यापक रूप से मंदी, तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में कमी और स्वर्ण आयात की मांग में कमी का पता चलता है। भारत के व्यापार निष्पादन की मुख्य-मुख्य बातें नीचे दी गई :

- 2012-13 की पहली छमाही के दौरान 141.8 बिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात हुआ जो 8.1 प्रतिशत कमी को दर्शाता है जबकि 2011-12 की पहली छमाही के दौरान इसमें 40.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वैश्विक आर्थिक और व्यापारिक वातावरण के असहयोगी बने रहने के कारण 2012-13 की दूसरी तिमाही में निर्यात में अधिक कमी हुई।
- 2012-13 की पहली छमाही के आयात में 2011-12 की समरूप अवधि की तुलना में 3.6 प्रतिशत की कमी हुई और इसका मूल्य 234.8 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। 2012-13 की पहली छमाही के दौरान आयात में कमी से मुख्य रूप से स्वर्ण और चांदी के आयात में कमी आने, घरेलू आर्थिक गतिविधियों में मंदी तथा पेट्रोलियम, तेल और चिकनाई युक्त पदार्थों की मात्रा की वृद्धि में नरमी का पता चलता है।
- पेट्रोलियम, तेल और चिकनाई युक्त पदार्थों के आयात में 2011-12 की पहली छमाही के दौरान हुई 51.8 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 2012-13 की पहली छमाही के दौरान हुई 6.0 प्रतिशत की निम्न वृद्धि से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के मूल्यों में समरूप अवधि की तुलना में व्यापक कमी आने का पता चलता है।
- 2012-13 की पहली छमाही के दौरान स्वर्ण और चांदी का आयात 21.3 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा जो 2011-12 की पहली छमाही के निर्यात से 32.6 प्रतिशत कम था।
- भारतीय समूह के कच्चे तेल का औसत मूल्य 2012-13 की पहली छमाही के दौरान 107.4 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल रहा जो 2011-12 की पहली छमाही के दौरान के 111.3 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल के मूल्य से लगभग 3.5 प्रतिशत कम था।
- 2012-13 की पहली छमाही के दौरान तेल से भिन्न और स्वर्ण से भिन्न आयातों का मूल्य 134.4 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा जो पिछले वर्ष की पहली छमाही में रहे 27.2 प्रतिशत की तुलना में 3.2 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है।
- निर्यात में आयात से अधिक कमी होने के कारण 2012-13 की पहली छमाही के दौरान व्यापार घाटा 93.0 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा जो 2011-12 की पहली छमाही के 89.2 बिलियन अमरीकी डॉलर के व्यापार घाटे की तुलना में अधिक था। 2011-12 की पहली तिमाही के 17.3 बिलियन अमरीकी डॉलर के घाटे की तुलना में 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान तेल से भिन्न और स्वर्ण से भिन्न व्यापार घाटा भी अधिक रहा जो 20.6 बिलियन अमरीकी डॉलर था।
- व्यापारिक वस्तुओं के निर्यात के पण्य-वार आंकड़ों से पता चलता है कि 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान भारत के निर्यात में इंजीनियरिंग सामानों, पेट्रोलियम उत्पादों, रसायनों, रत्नों और आभूषणों तथा कृषि उत्पादों का योगदान लगभग 83 प्रतिशत से अधिक रहा।
- 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान भारत के व्यापारिक वस्तुओं के कुल निर्यात में यूरोपियन संघ के हिस्से में कमी हुई किंतु ओपेक देशों तथा अमरीका के मामले में इसमें वृद्धि देखी गई।

I. भारत का पण्य-व्यापार

निर्यात (अप्रैल-सितंबर 2012)

भारत की निर्यात वृद्धि में 2011-12 के उत्तरार्ध में जो नरमी दिखाई दे रही थी वह मई 2012 से ऋणात्मक हो गई जिससे यूरो क्षेत्र तथा अन्य व्यापारिक साझेदारों के लगातार कमजोर होने के कारण व्यापार पर विपरीत प्रभाव का पता चलता है (चार्ट 1)।

* आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त प्रभाग में तैयार किया गया। इस विषय पर पिछला लेख रिजर्व बैंक के सितंबर 2012 के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था।

चार्ट 1: भारत का पण्य-व्यापार

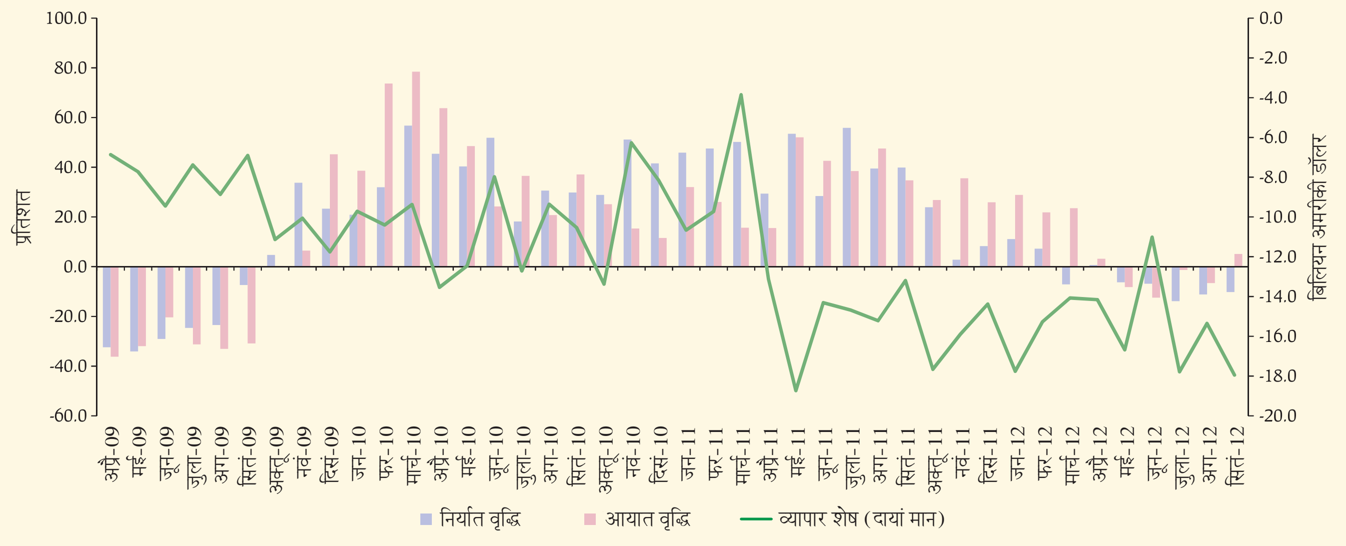

2012-13 की पहली छमाही के दौरान निर्यात 141.8 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा जो कि 2011-12 की पहली छमाही के दौरान निर्यात में हुई 40.5 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 8.1 प्रतिशत कम था

सारणी 1: भारत का पण्य-व्यापार

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

मदें	अप्रैल-मार्च		अप्रैल-सितंबर	
	2010-11 सं.	2011-12 अ.	2010-11सं.	2011-12 अ.
1	2	3	4	5
निर्यात	251.1	304.6	154.3	141.8
	(40.5)	(21.3)	40.5	-(8.1)
जिसमें से : तेल	41.5	55.6	29.3	24.7
	(47.1)	(34.0)	(66.0)	-(15.5)
तेल से भिन्न	209.6	249.0	125.0	117.1
	(39.2)	(18.8)	(35.7)	-(6.3)
स्वर्ण	6.1	7.0	3.5	3.3
	(41.9)	(14.8)	(37.9)	-(4.2)
तेल से भिन्न स्वर्ण से भिन्न	203.5	242.0	121.5	113.8
	(39.1)	(18.9)	(35.6)	-(6.4)
आयात	369.8	489.4	243.5	234.8
	(28.2)	(32.4)	(38.1)	-(3.6)
जिसमें से, तेल	106.0	154.9	75.7	80.2
	(21.6)	(46.2)	(51.8)	(6.0)
तेल से भिन्न	263.8	334.5	167.9	154.6
	(31.1)	(26.8)	(32.7)	-(7.9)
स्वर्ण	40.5	56.2	29.0	20.2
	(41.6)	(38.8)	(66.5)	-(30.3)
तेल से भिन्न स्वर्ण से भिन्न	223.3	278.3	138.9	134.4
	(29.3)	(24.6)	(27.2)	-(3.2)
व्यापार घाटा	-118.7	-184.8	-89.22	-92.99
जिसमें से : तेल	-64.5	-99.3	-46.36	-55.5
तेल से भिन्न	-54.2	-85.5	-42.86	-37.49
तेल से भिन्न स्वर्ण से भिन्न	-19.8	-36.3	-17.3	-20.6

अ. : अनंतिम सं. : संशोधित - : उपलब्ध नहीं है।

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष की समरूप अवधि की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन दर्शाते हैं।

स्रोत : वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

(सारणी 1 तथा विवरण 1)। 2011-12 की दूसरी छमाही से रुपये में सामान्यतः अवमूल्यन होने के विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सुधार की कमी के बाहरी प्रभावों के कारण 2012-13 की पहली छमाही में भारत के निर्यात क्षेत्र पर प्रभाव होना जारी रहा। यह उल्लेखनीय है कि वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (रीर) की तुलना में तेल से भिन्न निर्यातों के प्रति भारत की लोच लगभग 0.4 है जो एक वर्ष पीछे है। ऐसा मूलतः निर्यात के बड़े हिस्से का आयात होने और कीमत परिवर्तनों की तुलना में आपूर्ति धीमे रहने के कारण हुआ है।

पण्य-वार और गंतव्य स्थान-वार निर्यात (अप्रैल-जून 2012-13)

निर्यात के पण्य-वार आंकड़े जून 2012 (पहली तिमाही) तक उपलब्ध हैं जिनसे पता चलता है कि कुल पण्य-निर्यात में पेट्रोलियम उत्पादों का हिस्सा 2011-12 की पहली तिमाही में 20.1 प्रतिशत था जो 2012-13 की पहली तिमाही में काफी घटकर 16.6 प्रतिशत रह गया। इसके विपरीत विनिर्मित वस्तुओं और प्राथमिक उत्पादों के संबंधित हिस्सों में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई (सारणी 2)। विनिर्माण क्षेत्र के निर्यातों के अंतर्गत रत्नों और आभूषणों तथा रासायनिक और संबंधित उत्पादों के हिस्सों में वृद्धि हुई जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं और वस्त्र तथा वस्त्र उत्पादों के हिस्सों में थोड़ी कमी हुई।

क्षेत्र-वार विश्लेषण से पता चलता है कि वैश्विक मांग में कमी के चलते 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान विनिर्माण क्षेत्र की निर्यात वृद्धि काफी प्रभावित हुई। हालांकि, 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान प्राथमिक उत्पादों के निर्यात में तेजी से वृद्धि हुई।

सारणी 2: भारत से मुख्य पण्यों का निर्यात

(प्रतिशत हिस्सा)

पण्य समूह	2010-11	2011-12	2011-12	2012-13
	अप्रैल-मार्च		अप्रैल-जून	
1	2	3	4	5
I. प्राथमिक उत्पाद	**13.1**	**15.0**	**11.2**	**18.7**
कृषि और संबद्ध उत्पाद	9.6	12.3	8.8	16.1
अयस्क और खनिज	3.4	2.7	2.4	2.6
II. विनिर्मित वस्तुएं	**62.9**	**61.3**	**61.5**	**62.4**
चमड़ा और विनिर्मित वस्तुएं	1.6	1.6	1.5	1.6
रसायन और संबंधित उत्पाद	11.5	12.2	11.4	12.9
इंजीनियरिंग वस्तुएं	23.1	22.0	23.5	22.8
वस्त्र और वस्त्र उत्पाद	9.6	9.19	9.5	9.1
रत्न और आभूषण	16.12	15.40	14.8	15.1
III. पेट्रोलियम उत्पाद	**16.52**	**18.25**	**20.1**	**16.6**
IV. अन्य	**7.5**	**5.5**	**7.2**	**2.3**
कुल निर्यात	**100**	**100**	**100**	**100**

स्रोत : वाणिज्यिक आसचूना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

विनिर्माण क्षेत्र के अंतर्गत इंजीनियरिंग वस्तुओं, वस्त्र उत्पादों, रत्नों एवं आभूषणों तथा चमड़ा एवं उससे निर्मित वस्तुओं और रसायन तथा संबंधित उत्पादों के निर्यात में वृद्धि समरूप अवधि की तुलना में या तो कम रही या फिर ऋणात्मक रही क्योंकि अमरीका और यूरोप जैसे मुख्य बाजारों में मांग की स्थिति कमजोर बनी रही। पहली तिमाही में इंजीनियरिंग क्षेत्र के अंतर्गत परिवहन उपस्करों, लोहा एवं इस्पात तथा इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि ऋणात्मक थी जबकि मशीनरी और उपकरणों तथा धातु से विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात में कमी हुई।

2012-13 की पहली तिमाही के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में 20.9 प्रतिशत की कमी हुई जबकि 2011-12 की समरूप अवधि में इसमें 77.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में कमी कीमत और मात्रा -दोनों में कमी के कारण हुई। मोटर स्पिरिट/पेट्रोल, हाई स्पीड डीजल तथा एविएशन टरबाइन ईंधन के निर्यात की मात्रा में विशेष रूप से कमी हुई। प्राथमिक उत्पादों के अंतर्गत लौह अयस्क के निर्यात में कमी जारी रही किंतु गेहूं, चीनी और कच्ची कपास जैसे कृषि उत्पादों के निर्यात में तेजी से वृद्धि हुई (विवरण 2)। लौह अयस्क के निर्यात में कमी चीन में मंदी तथा वैश्विक मूल्यों के कम होने के कारण हुई। सरकार द्वारा 30 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाए जाने से भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में लौह अयस्क के निर्यात पर प्रभाव पड़ा होगा।

2012-13 की पहली तिमाही के दौरान भारत के निर्यात में यूरोपियन संघ के हिस्से में 2011-12 की पहली तिमाही की तुलना में काफी कमी हुई (सारणी 3)। इसके विपरीत भारत के निर्यात में पहली तिमाही के दौरान अमरीका और ओपेक देशों के हिस्से में तेजी से वृद्धि हुई। विकासशील देशों के अंतर्गत अफ्रीकी और सार्क देशों के निर्यात के हिस्से में सुधार हुआ जबकि लेटिन अमरीकी देशों और सिंगापुर, हांगकांग, दक्षिण कोरिया और मलेशिया जैसे कुछ पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के हिस्से में कमी आई।

पहली तिमाही में निर्यात के देश-वार पैटर्न से पता चलता है कि भारत के निर्यात के मामले में संयुक्त अरब अमीरात (13.4 प्रतिशत) से आगे आकर 14.4 प्रतिशत हिस्से के साथ अमरीका सबसे बड़ा गंतव्य बन गया है उनके बाद चीन (5.1 प्रतिशत), सिंगापुर (4.5 प्रतिशत) तथा हांगकांग (4.2 प्रतिशत) का स्थान रहा। 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान भारत के कुल निर्यात में इन पांच देशों का संयुक्त हिस्सा लगभग 41.6 प्रतिशत रहा। यूरोप में विद्यमान अनिश्चितताओं को दर्शाते हुए, जर्मनी, नीदरलैंड्स, इटली और बेल्जियम को किए गए भारतीय निर्यात में पहली तिमाही

सारणी 3: प्रमुख क्षेत्रों को भारत का निर्यात

(प्रतिशत हिस्सा)

क्षेत्र / देश	2010-11	2011-12	2011-12	2012-13
	अप्रैल- मार्च		अप्रैल-जून	
1	2	3	4	5
I. ओईसीडी के सदस्य देश	**33.2**	**33.8**	**33.3**	**35.0**
यूरोपीय संघ	18.3	17.2	17.8	15.7
उत्तर अमरीका	10.6	11.9	11.3	15.1
अमरीका	10.1	11.3	10.7	14.4
एशिया और ओशिआनिया	2.8	3.0	2.5	2.5
ओईसीडी के अन्य सदस्य देश	1.5	1.6	1.8	1.8
II. ओपेक	**21.3**	**19**	**18.6**	**22.4**
III. पूर्वी यूरोप	**1.1**	**1.1**	**0.9**	**1.3**
IV. विकासशील देश	**38.2**	**40.7**	**40.4**	**40.4**
एशिया	27.9	29.6	28.8	28.2
सार्क	4.6	4.3	4.0	4.9
अन्य एशियाई विकासशील देश	23.3	25.3	24.9	23.3
चीनी गणराज्य	6.2	5.9	3.7	5.1
अफ्रीका	6.3	6.7	6.7	7.4
लैटिन अमरीका	4.0	4.4	4.9	4.8
V. अन्य/ अविनिर्दिष्ट	**6.2**	**5.4**	**6.7**	**1.0**
कुल निर्यात	**100**	**100**	**100**	**100**

स्रोत : वाणिज्यिक आसचूना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

के दौरान वृद्धि ऋणात्मक हो गई जबकि फ्रांस को किए गए निर्यात में थोड़ी वृद्धि हुई (विवरण 3)।

आयात (अप्रैल-सितंबर 2012)

2012-13 की पहली छमाही के दौरान हुए 234.8 बिलियन अमरीकी डॉलर के आयात में 3.6 प्रतिशत की कमी हुई (एक वर्ष पहले 38.1 प्रतिशत) [विवरण 2]। आयात वृद्धि में कमी प्राथमिक रूप से 'स्वर्ण और चांदी' के आयात में कमी तथा पेट्रोलियम, तेल और चिकनाई युक्त पदार्थों के आयात में कमी के कारण हुई। ये दोनों मिलकर 2012-13 की पहली छमाही के दौरान कुल व्यापारिक वस्तुओं के आयात के 43.2 प्रतिशत हिस्से को दर्शाते हैं। 2012-13 की पहली छमाही के दौरान तेल और चिकनाई युक्त पदार्थों की आयात वृद्धि में 6.0 प्रतिशत की कमी आई (2011-12 की पहली छमाही में 51.8 प्रतिशत) जो कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में कमी दर्शाता है। 2012-13 की पहली छमाही के दौरान कच्चे तेल के भारतीय समूह का औसत मूल्य 107.4 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल रहा जो 2011-12 की पहली छमाही के दौरान के 111.3 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल के मूल्य से लगभग 3.5 प्रतिशत कम था (2010-11 की पहली छमाही की तुलना में 2011-12 की पहली छमाही में 30.6 प्रतिशत की वृद्धि) (सारणी 4)। स्वर्ण आयात में कमी का कारण रूपये के अवमूल्यन के कारण स्थानीय बाजार में उच्च स्वर्ण मूल्यों तथा हाल के महीनों में सीमा शुल्क में वृद्धि और स्वर्ण आभूषणों और स्वर्ण में निवेश की कमजोर हो रही ग्राहक मांग को कहा जा सकता है। 2012-13 की पहली छमाही में जुलाई 2012 में स्वर्ण आयात में थोड़ी वृद्धि हुई लेकिन पिछले महीनों में हुई कमी को पाटने में यह अपर्याप्त थी। पहली छमाही के दौरान 134.4 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर पर तेल से भिन्न स्वर्ण से भिन्न आयातों में 3.2 प्रतिशत की कमी देखी गई जबकि 2011-12 की पहली छमाही के दौरान इसमें 27.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

सारणी 4: कच्चे तेल के मूल्यों की प्रवृत्तियाँ

(अमरीकी डॉलर प्रति बैरल)

अवधि	दुबई	ब्रेंट	डब्ल्यूटीआइ *	भारतीय बास्केट **
1	2	3	4	5
2005-06	53.5	58.2	59.8	55.7
2006-07	61.0	64.3	64.7	62.5
2007-08	77.3	82.3	82.1	79.2
2008-09	82.1	84.8	85.8	83.6
2009-10	69.5	69.8	70.5	69.8
2010-11	86.7	84.2	83.3	85.1
2011-12	110	114.4	97.3	111.6
2012-13((प्रथम तिमाही)	106.2	108.9	93.4	106.9

* : पश्चिम टेक्सास मध्यवर्ती।
**: 1 अप्रैल 2011 से कच्चे तेल के भारतीय बास्केट के घटक सोर ग्रेड के लिए ओमन तथा दुबई और स्वीट ग्रेड के लिए ब्रेंट (दिनांकित) को 65.2:34.8 के अनुपात में दर्शाते हैं।
स्रोत: अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सांख्यिकी, पण्य मूल्यों से संबंधित विश्व बैंक की गुलाबी (पिंक) शीट, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार।

पण्य-वार और देश-वार आयात (अप्रैल-जून 2012-13)

2012-13 की पहली तिमाही के संबंध में पण्य-वार आयात के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पेट्रोयिम और पेट्रोलियम उत्पाद भारतीय आयात की मुख्य मदें बने रहे। इनके बाद पूंजीगत वस्तुओं और स्वर्ण तथा चांदी का क्रम था। भारत की कुल व्यापारिक वस्तुओं के आयात का लगभग 34.2 प्रतिशत हिस्सा पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पाद और संबंधित वस्तुओं का था जिसमें पहली तिमाही के दौरान 0.1 प्रतिशत की कमी आई जबकि 2011-12 की पहली तिमाही के दौरान इसमें 52.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। स्वर्ण और चांदी के आयात में तेजी से गिरावट आई जिससे सीमा शुल्क में वृद्धि और उपभोक्ता तथा निवेश मांग में कमी का पता चलता है। 2012-13 (वर्ष-दर-वर्ष) की पहली तिमाही में स्वर्ण के अंतरराष्ट्रीय मूल्य में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि होने के बावजूद मूल्य के अनुसार स्वर्ण आयात में कमी (47.6 प्रतिशत) आई जिससे मात्रात्मक कारक के प्रभाव का पता चलता है (विवरण 4)। किंतु 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान हुए 75.7 बिलियन अमरीकी डॉलर के तेल से भिन्न आयात में 9.1 प्रतिशत की कमी हुई जबकि 2011-12 की पहली तिमाही में इसमें 29.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। तेल से भिन्न आयातों में कमी मुख्य रूप से मोती, कीमती एवं कम कीमती पत्थरों तथा पूंजीगत वस्तुओं जैसी निर्यात से संबंधित मदों के आयात में हुई काफी कमी के कारण हुई। पूंजीगत वस्तुओं की मुख्य श्रेणियों, यथा मशीनी उपकरण, मशीनरी, विद्युत मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं में 2012-13 की पहली तिमाही में ऋणात्मक वृद्धि हुई (सारणी 5 तथा विवरण 4)।

2012-13 की पहली तिमाही के दौरान भारत के कुल आयात में यूरोपीय संघ के हिस्से में जहां 11.2 प्रतिशत की कमी आई (2011-12 की पहली तिमाही के दौरान 12.3 प्रतिशत), वहीं ओपेक समूह के देशों और लेटिन अमरीकी देशों के इस हिस्से में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (सारणी 6)। देश-वार देखा जाए तो चीन कुल आयात के 11.9 प्रतिशत हिस्से के साथ आयात का सबसे बड़ा स्रोत बना रहा। चीन के बाद संयुक्त अरब अमीरात, सउदी अरब, अमरीका और स्विटजरलैंड का क्रम आता है। संयुक्त रूप से ये पांच देश भारतीय आयात के 37.4 प्रतिशत हिस्से को कवर करते हैं। भारत के आयात

सारणी 5: मुख्य पण्यों का आयात

(प्रतिशत हिस्सा)

पण्य /समूह	2010-11	2011-12	2011-12	2012-13
	अप्रैल- मार्च		अप्रैल-जून	
1	2	3	4	5
1. पेट्रोलियम, कच्चा तेल और उसके उत्पाद	28.7	31.7	32.1	34.2
2. पूंजीगत माल	21.2	20.3	18.8	19.5
3. स्वर्ण और चांदी	11.5	12.5	14.8	8.3
4. ऑर्गनिक और इनऑर्गनिक रसायन	4.1	3.9	3.7	4.1
5. कोयला, कोक और ब्रिकेट, आदि	2.7	3.6	3.4	3.7
6. उर्वरक	1.9	2.4	1.2	1.2
7. लौह अयस्क, धातु स्क्रैप, आदि	2.6	2.7	2.7	3.4
8. लोहा और इस्पात	2.8	2.4	2.1	2.7
9. मोती, बहुमूल्य और कम कीमती पत्थर	9.4	6.2	7.7	4.5
10.अन्य	15.2	14.4	13.5	18.4
कुल आयात	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

में ओपेक देशों के बीच इंडोनेशिया[1], कुवैत और सउदी अरब के हिस्से में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके विपरीत भारत के कुल आयात में ईरान और ईराक का हिस्सा 2011-12 की पहली तिमाही में क्रमशः 3.0 प्रतिशत और 4.5 प्रतिशत से कम होकर 2012-13 की पहली तिमाही में 2.4 प्रतिशत और 4.0 प्रतिशत रह गया (विवरण 5)।

व्यापार घाटा

2012-13 की पहली छमाही के दौरान व्यापार घाटा 93.0 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा जो 2011-12 की पहली छमाही के दौरान के 89.2 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में अधिक था (विवरण 1) क्योंकि निर्यात में आयात की तुलना में अधिक कमी हुई थी। अगस्त 2011 से रुपये का सामान्य रूप से अवमूल्यन होने के बावजूद व्यापार घाटे के अधिक होने से पता चलता है कि सांख्यिकीय रूप से भारत के निर्यात और आयात वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (रीर) की घट-बढ़ की तुलना में महत्वपूर्ण नहीं हैं जिससे जो वक्र की अनुपस्थित प्रदर्शित होती है।

II. वैश्विक व्यापार

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सांख्यिकी (अक्तूबर 2012) के अनुसार 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान व्यापारिक वस्तुओं के वैश्विक निर्यात के मूल्य में कमी के रुझान दिखाई दिए हैं (चार्ट 2)। ऐसा प्रतीत होता है कि विकसित

[1] 2009 से इंडोनेशिया ओपेक का सदस्य नहीं रहा।

सारणी 6: भारत के आयात में समूहों/देशों का हिस्सा

(प्रतिशत हिस्सा)

क्षेत्र / देश	2010-11	2011-12	2011-12	2012-13
	अप्रैल- मार्च		अप्रैल-जून	
1	2	3	4	5
I. ओईसीडी के सदस्य देश	**30.6**	**29.7**	**31.0**	**27.1**
यूरोपीय संघ	12.0	11.7	12.3	11.2
फ्रांस	1.0	0.8	0.8	0.7
जर्मनी	3.2	3.2	3.0	3.0
यूके	1.5	1.5	1.8	1.5
उत्तर अमरीका	6.0	5.3	5.4	5.4
अमरीका	5.4	4.8	4.9	5.0
एशिया और ओशिआनिया	5.4	5.7	5.3	5.4
ओईसीडी के सदस्य अन्य देश	7.2	7.0	8.0	5.0
II. ओपेक	**33.6**	**35.4**	**35.6**	**38.9**
III. पूर्वी यूरोप	**1.5**	**1.7**	**1.5**	**1.8**
IV. विकासशील देश	**33.0**	**32.3**	**31.8**	**31.9**
एशिया	27.1	25.8	25.8	25.4
सार्क	0.6	0.5	0.6	0.5
अन्य एशियाई विकासशील देश	26.5	25.3	25.3	24.9
जिनमें से:				
चीनी गणराज्य	11.8	11.8	11.0	11.9
अफ्रीका	3.6	4.0	3.8	3.4
लैटिन अमरीका	2.4	2.4	2.2	3.1
V. अन्य/ अविनिर्दिष्ट	**1.3**	**0.9**	**0.1**	**0.3**
कुल आयात	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से संकलित।

अर्थव्यवस्थाओं की कम वृद्धि और अनिश्चितता का उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) की व्यापार संभावनाओं पर भी प्रभाव हुआ है। अधिकांश उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की कमजोर निर्यात वृद्धि के अनुरूप अधिकांश विकसित अर्थव्यवस्थाओं की आयात मांग में धीमी वृद्धि से यह बात स्पष्ट भी हो जाती है। भारत के निर्यात वृद्धि में भी सहगामी कमी दिखाई दी जो कि वास्तव में अन्य उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक सुस्पष्ट थी। इसके अलावा, अमरीका में राजकोषीय बाधाओं, अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं में निरंतर अनिश्चितता, चीन की वास्तविक आर्थिक गतिविधियों में कमी, का अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर प्रभाव पड़ा, विशेषरूप से पण्यों के निर्यातकों, पर और अधिक प्रभाव पड़ सकता है। अक्तूबर 2012 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने विकसित अर्थव्यवस्थाओं और उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं -दोनों के संबंध में निर्यात की मात्रा के अनुमानों को

चार्ट 2: वैश्विक उत्पादन और निर्यात वृद्धि

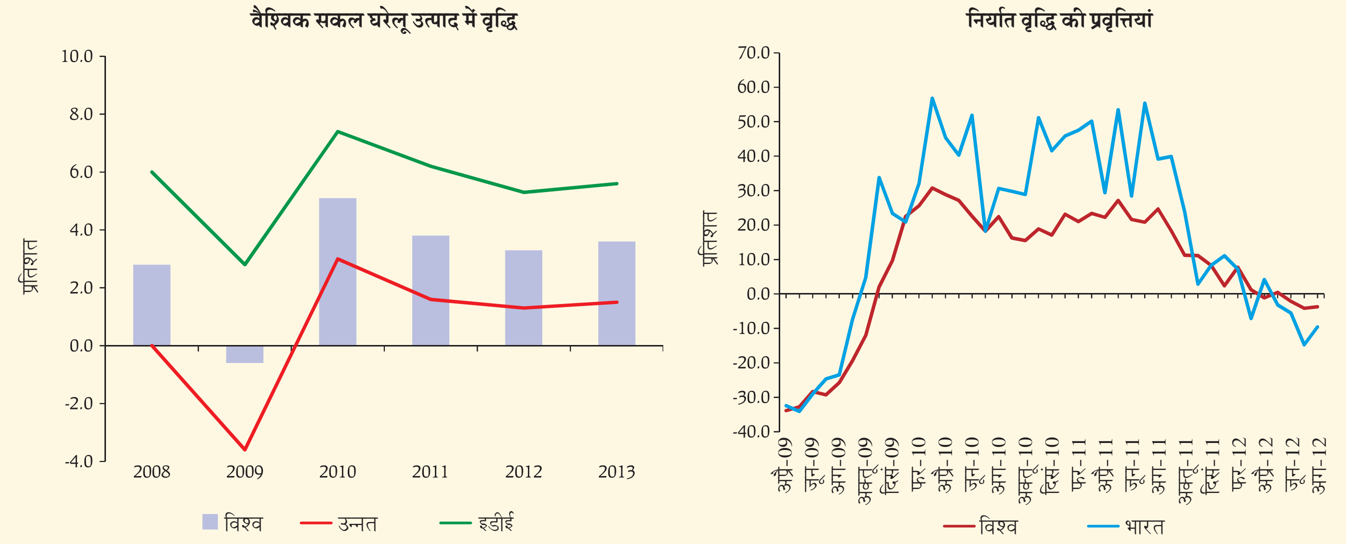

संशोधित करते हुए कम कर दिया है। इसी प्रकार से विश्व व्यापार संगठन ने भी विश्व व्यापार वृद्धि के पूर्वानुमानों को 2012 के लिए 3.7 प्रतिशत से घटाकर 2.5 प्रतिशत और 2013 के लिए 5.6 प्रतिशत से घटाकर 4.5 प्रतिशत कर दिया है।

विभिन्न देशों के बीच निर्यात के निष्पादन से ज्ञात होता है कि भारत एशिया की उन बहुत कम अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जिन्होंने 2012-13 की पहली तिमाही में निर्यात में कमी को दर्शाया है (सारणी 7)। हालांकि इस अवधि में वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा स्थिर बना रहा। इसके अलावा, विकसित देशों में आयात की कमजोर मांग तथा चीन में संभावित मंदी के कारण भारत के निर्यात में कमी होने का जोखिम बना हुआ है।

वैश्विक पण्य मूल्य

2012-13 की पहली तिमाही में प्रमुख पण्यों के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में पिछली तिमाही में दर्ज हुए स्तर से वापसी हुई। यूरोप में

सारणी 7: निर्यात वृद्धि एवं वैश्विक निर्यात में हिस्सा - विभिन्न देशों की तुलना

(प्रतिशत)

क्षेत्र / देश	2010-11	2011-12	ति1:2011-12	ति1:2012-13	2010-11	2011-12	ति1:2011-12	ति1:2012-13
	वृद्धि दर				हिस्सा			
	1	2	3	4	5	6	7	8
विश्व	**21.0**	**14.2**	**23.6**	**-0.9**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	**17.3**	**11.5**	**21.1**	**-3.2**	**60.7**	**59.2**	**59.5**	**58.2**
अमरीका	20.4	13.3	17.8	5.7	8.4	8.3	8.1	8.6
फ्रांस	8.1	9.5	21.1	-9.6	3.3	3.2	3.3	3.0
जर्मनी	12.9	12.4	26.6	-7.5	8.3	8.1	8.3	7.8
जापान	24.1	4.3	3.6	6.7	5.0	4.5	4.2	4.5
उभरते और विकासशील देश	**27.4**	**18.1**	**27.7**	**2.1**	**39.7**	**41.1**	**40.9**	**42.2**
सिंगापुर	27.3	11.9	19.7	-0.5	2.3	2.3	2.3	2.3
चीनी गणराज्य, मुख्य जमीनी भाग	30.6	16.1	22.0	10.5	10.4	10.6	10.4	11.6
भारत	**40.5**	**21.3**	**36.5**	**-1.7**	**1.6**	**1.7**	**1.7**	**1.7**
इंडोनेशिया	29.1	20.6	38.3	-7.6	1.1	1.1	1.1	1.1
कोरियन गणराज्य	27.2	12.7	18.6	-1.7	3.1	3.1	3.1	3.1
मलेशिया	20.0	11.2	16.8	0.7	1.3	1.3	1.2	1.3
थाईलैंड	26.0	6.9	15.9	1.3	1.3	1.2	1.2	1.2

स्रोत: 1. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (www.imfstatistics.org)
2. भारत के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

चार्ट 3:वैश्विक पण्य मूल्य

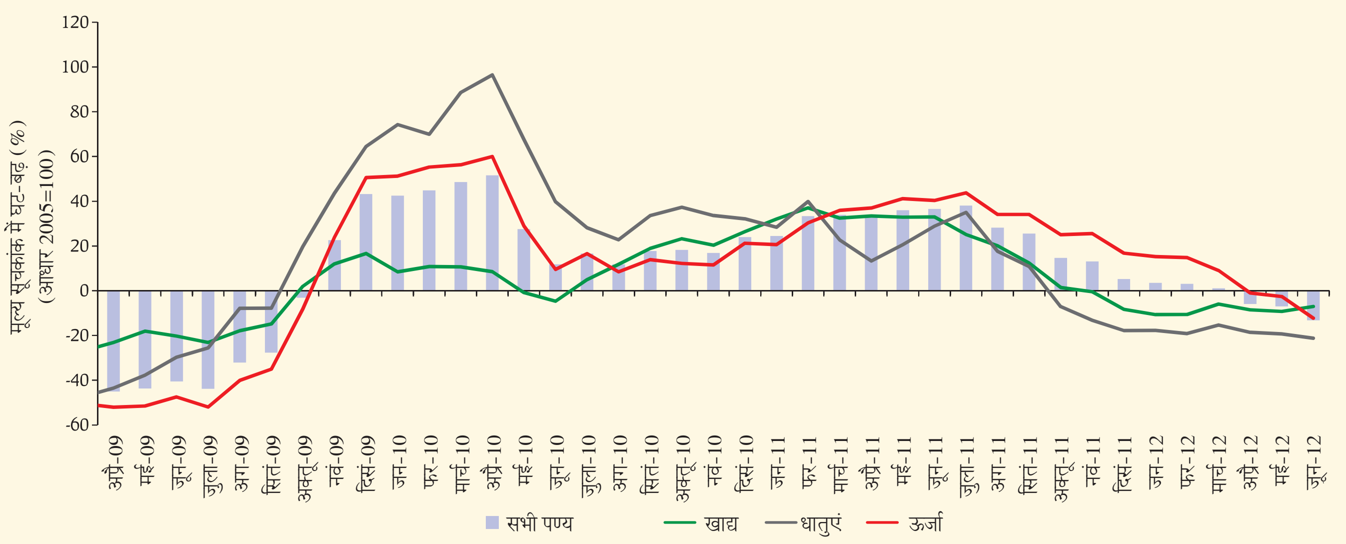

कर्ज संकट बढ़ने और चीन की वृद्धि में मंदी के संकेतों के कारण मूल्यों में कमी, विशेष रूप से मई में, स्पष्ट रूप से दिखाई दी। विशेष रूप से चीन से संबंधित वैश्विक मांग संबंधी चिंताओं और डिस्टॉकिंग के कारण धातुओं और कच्चे माल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में कमी हुई।

विवरण 1 : भारत का विदेश व्यापार

वर्ष	निर्यात			आयात			व्यापार शेष		
	कुल	तेल	तेल से भिन्न	कुल	तेल	तेल से भिन्न	कुल	तेल	तेल से भिन्न
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अप्रैल-सितंबर									
करोड़ रुपये									
2010-11	505,644	81,368	424,276	811,773	229,238	582,534	-306,128	-147,870	-158,259
	(28.6)	(55.7)	(24.4)	(30.4)	(26.1)	(32.3)			
2011-12 सं.	698,302	132,528	565,774	1,101,812	341,734	760,078	-403,510	-209,207	-194,303
	(38.1)	(62.9)	(33.4)	(35.7)	(49.1)	(30.5)			
2012-13 अ.	775,098	135,165	639,933	1,283,270	438,172	845,098	-508,172	-303,007	
	(11.0)	(2.0)	(13.1)	(16.5)	(28.2)	(11.2)			
मिलियन अमरीकी डॉलर									
2010-11	109,777	17,653	92,124	176,360	49,829	126,531	-66,583	-32,176	-34,407
	(35.6)	(64.1)	(31.2)	(37.6)	(33.0)	(39.6)			
2011-12 सं.	154,284	29,298	124,986	243,546	75,653	167,893	-89,263	-46,355	-42,907
	(40.5)	(66.0)	(35.7)	(38.1)	(51.8)	(32.7)			
2012-13 अं.	141,813	24,752	117,061	234,795	80,228	154,567	-92,982	-55,476	
	(-8.1)	(-15.5)	(-6.3)	(-3.6)	(6.0)	(-7.9)			

अ. : अनंतिम सं. : संशोधित -: उपलब्ध नहीं

टिप्पणी : 1. कोष्ठकों के आंकड़े पिछली अवधि की तुलना में प्रतिशत उतार-चढ़ाव से संबंधित हैं।
2. डेटा कनवर्जन अवधि और विनिमय दर का प्रयोग करते हुए किया गया है।

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

विवरण 2: भारत के प्रमुख पण्यों का निर्यात

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

पण्य / समूह	अप्रैल-जून			प्रतिशत उतार-चढ़ाव	
	2010-11	2011-12सं.	2012-13 अ.	(3)/(1)	(4)/(3)
1	2	3	4	5	6
I. प्राथमिक उत्पाद	**7,200.7**	**8,582.0**	**13,669.7**	**19.2**	**59.3**
अ. कृषि एवं संबद्ध उत्पाद	**4,256.7**	**6,710.8**	**11,797.4**	**57.7**	**75.8**
जिसमें से:					
1. चाय	104.6	146.9	128.1	40.5	-12.8
2. कॉफ़ी	148.8	322.1	285.1	116.4	-11.5
3. चावल	543.4	855.0	1,476.8	57.3	72.7
4. गेहूँ	0.0	0.1	183.4	-	-
5. कच्ची रूई, बेकार पदार्थ सहित	252.2	3.4	930.7	-98.7	-
6. तंबाकू	205.2	208.1	201.2	1.4	-3.4
7. काजू, सीएसएनएल सहित	145.1	210.3	200.4	44.9	-4.7
8. मसाले	378.2	565.6	752.9	49.6	33.1
9. खली	327.8	497.5	518.9	51.8	4.3
10. समुद्री उत्पाद	461.3	611.3	672.1	32.5	9.9
11. चीनी और शीरा	11.2	481.4	804.6	-	67.1
आ. अयस्क और खनिज	**2,944.1**	**1,871.2**	**1,872.3**	**-36.4**	**0.1**
जिसमें से:					
1. लौह अयस्क	2,170.1	922.6	875.4	-57.5	-5.1
2. संसाधित खनिज	388.5	405.4	548.3	4.3	35.2
II. विनिर्मित माल	**34,589.3**	**47,081.6**	**45,676.1**	**36.1**	**-3.0**
जिसमें से:					
अ. चमड़ा और उससे विनिर्मित वस्तुएं	**855.8**	**1,155.8**	**1,151.7**	**35.1**	**-0.4**
आ. रसायन और संबंधित उत्पाद	**6,468.5**	**8,695.2**	**9,415.0**	**34.4**	**8.3**
1. मूल रसायन, औषधि और प्रसाधन सामग्री	4,403.5	5,591.8	6,370.0	27.0	13.9
2. प्लास्टिक और लिनोलियम उत्पाद	1,013.5	1,687.4	1,455.5	66.5	-13.7
3. रबर, ग्लास, पेंट्स और एनामेल आदि,	784.1	1,061.1	1,219.7	35.3	14.9
4. अवशिष्ट रसायन एवं संबद्ध उत्पाद	267.6	354.8	369.9	32.6	4.3
इ. इंजीनियरिंग सामान	**13,458.4**	**17,971.8**	**16,677.0**	**33.5**	**-7.2**
जिसमें से:					
1. धातुओं की विनिर्मित वस्तुएं	1,685.3	2,062.0	2,492.4	22.4	20.9
2. मशीनरी और उपकरण	2,448.8	3,438.0	3,636.7	40.4	5.8
3. परिवहन उपस्कर	5,608.8	7,055.0	5,443.9	25.8	-22.8
4. लोहा और इस्पात	900.9	1,692.3	1,367.9	87.8	-19.2
5. इलेक्ट्रॉनिक सामान	1,672.2	2,172.2	2,060.3	29.9	-5.2
ई. वस्त्र और वस्त्र उत्पाद	**5,446.7**	**7,241.8**	**6,677.7**	**33.0**	**-7.8**
1. रूई के धागे, कपड़े, निर्मित वस्त्र आदि	1,310.0	1,724.9	1,687.5	31.7	-2.2
2. प्राकृतिक सिल्क धागे, कपड़े, निर्मित वस्त्र आदि (अवशिष्ट रेशम सहित)	68.8	53.6	45.0	-22.0	-16.0
3. मानव निर्मित धागे, कपड़े, निर्मित वस्त्र आदि	923.7	1,292.6	1,193.6	39.9	-7.7
4. मानव निर्मित स्टेपल रेशे	100.3	121.6	123.9	21.2	1.9
5. ऊनी धागा, कपड़े, निर्मित वस्त्र आदि	22.0	37.4	39.3	70.3	5.0
6. रेडीमेड गारमेंट्स	2,658.1	3,641.8	3,206.8	37.0	-11.9
7. जूट और जूट की विनिर्मित वस्तुएं	110.7	114.2	105.4	3.2	-7.7
8. कॉयर और कॉयर की विनिर्मित वस्तुएं	36.9	48.9	48.0	32.7	-1.9
9. कार्पेट	216.3	206.7	228.3	-4.5	10.4
क. हस्तनिर्मित कालीन (रेशम को छोड़कर)	215.6	205.8	226.9	-4.6	10.2
ख. मिल में बने कालीन	0.0	0.0	0.0		
ग. सिल्क कालीन	0.7	0.9	1.4	34.8	57.3
ङ. रत्न और आभूषण	**7,842.3**	**11,303.8**	**11,016.5**	**44.1**	**-2.5**
च. हस्तशिल्प	**48.4**	**69.2**	**73.3**	**43.1**	**5.9**
III. पेट्रोलियम उत्पाद	**8,674.4**	**15,376.2**	**12,169.2**	**77.3**	**-20.9**
IV. अन्य	**5,623.7**	**5,487.8**	**1,679.3**	**-2.4**	**-69.4**
कुल निर्यात	**56,088.2**	**76,527.6**	**73,194.3**	**36.4**	**-4.4**

अ. : अनंतिम   सं. : संशोधित   **स्रोत:** वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

विवरण 3: भारत के विदेश व्यापार की दिशा - निर्यात

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

समूह / देश	अप्रैल-जून			प्रतिशत उतार-चढ़ाव	
	2010-11	2011-12सं.	2012-13 अ	(3)/(2)	(4)/(3)
1	2	3	4	5	6
I. ओईसीडी के सदस्य देश	**18,175.2**	**25,512.5**	**25,608.1**	**40.4**	**0.4**
अ. यूरोपीय संघ	**9,112.0**	**13,588.7**	**11,464.2**	**49.1**	**-15.6**
जिसमें से:					
1. बेल्जियम	1,065.9	2,069.4	1,302.0	94.1	-37.1
2. फ्रांस	970.4	1,044.3	1,130.7	7.6	8.3
3. जर्मनी	1,342.6	2,100.1	1,782.3	56.4	-15.1
4. इटली	888.0	1,448.6	1,001.4	63.1	-30.9
5. नीदरलैंड्स	1,490.8	2,241.6	2,041.5	50.4	-8.9
6. यूके	1,508.6	2,259.9	2,016.8	49.8	-10.8
आ. उत्तर अमरीका	**6,387.9**	**8,636.8**	**11,051.0**	**35.2**	**28.0**
1. कनाडा	274.0	411.7	496.5	50.3	20.6
2. अमरीका	6,113.9	8,225.1	10,554.4	34.5	28.3
इ. एशिया और ओशिआनिआ	**1,841.2**	**1,910.3**	**1,800.0**	**3.8**	**-5.8**
जिसमें से:					
1. ऑस्ट्रेलिया	322.0	479.0	563.4	48.7	17.6
2. जापान	1,479.7	1,374.9	1,146.6	-7.1	-16.6
ई. अन्य ओईसीडी देश	**834.0**	**1,376.8**	**1,292.9**	**65.1**	**-6.1**
जिसमें से:					
1. स्विटजरलैंड	146.9	264.8	262.0	80.2	-1.1
II. ओपेक	**11,229.3**	**14,254.4**	**16,369.2**	**26.9**	**14.8**
जिसमें से:					
1. इंडोनेशिया	883.5	1,651.9	1,336.4	87.0	-19.1
2. ईरान	363.4	605.3	705.8	66.6	16.6
3. इराक	139.6	132.8	334.5	-4.9	151.9
4. कुवैत	194.3	348.7	247.6	79.5	-29.0
5. सऊदी अरब	1,225.3	1,466.6	2,489.8	19.7	69.8
6. संयुक्त अरब अमीरात	7,495.3	8,976.6	9,782.7	19.8	9.0
III. पूर्वी यूरोप	**599.8**	**694.4**	**926.5**	**15.8**	**33.4**
जिसमें से:					
1. रूस	389.4	403.0	573.3	3.5	42.3
IV. विकासशील देश	**22,550.4**	**30,941.0**	**29,568.9**	**37.2**	**-4.4**
अ. एशिया	**16,276.3**	**22,064.8**	**20,619.2**	**35.6**	**-6.6**
क. सार्क	**2,404.4**	**3,035.9**	**3,596.6**	**26.3**	**18.5**
1. अफगानिस्तान	72.0	129.5	125.1	79.9	-3.5
2. बांग्लादेश	671.4	732.9	1,267.3	9.2	72.9
3. भूटान	41.3	43.8	52.4	6.0	19.8
4. मालदीव	25.1	27.6	32.9	10.2	18.9
5. नेपाल	485.6	671.8	717.8	38.3	6.8
6. पाकिस्तान	436.1	328.9	411.0	-24.6	25.0
7. श्रीलंका	673.0	1,101.4	990.3	63.7	-10.1
ख. अन्य विकासशील एशियाई देश	13,871.8	19,028.9	17,022.5	37.2	-10.5
जिसमें से:					
1. चीनी गणराज्य	3,245.6	2,807.8	3,767.2	-13.5	34.2
2. हांगकांग	2,323.2	3,336.2	3,050.8	43.6	-8.6
3. दक्षिण कोरिया	695.9	1,272.3	911.7	82.8	-28.3
4. मलेशिया	1,297.5	1,145.0	963.0	-11.8	-15.9
5. सिंगापुर	2,823.8	5,776.9	3,320.0	104.6	-42.5
6. थाईलैंड	462.4	681.3	684.4	47.3	0.5
आ. अफ्रीका	**3,978.2**	**5,101.6**	**5,411.1**	**28.2**	**6.1**
जिसमें से:					
1. बेनिन	65.0	314.7	68.5	384.4	-78.2
2. मिस्र अरब गणराज्य	504.7	471.5	882.2	-6.6	87.1
3. केन्या	570.5	533.4	938.2	-6.5	75.9
4. दक्षिण अफ्रीका	1,490.6	1,197.3	1,002.0	-19.7	-16.3
5. सूडान	127.5	198.2	231.6	55.5	16.8
6. तंजानिया	187.5	484.0	369.6	158.1	-23.6
7. जाम्बिया	21.8	46.3	53.8	112.4	16.3
इ. लैटिन अमरीकी देश	**2,296.0**	**3,774.7**	**3,538.7**	**64.4**	**-6.3**
V. अन्य	**9.8**	**57.0**	**55.8**	**481.7**	**-2.1**
VI. अविनिर्दिष्ट	**3,523.6**	**5,068.2**	**665.8**	**43.8**	**-86.9**
कुल निर्यात	**56,088.2**	**76,527.6**	**73,194.3**	**36.4**	**-4.4**

अ. : अनंतिम सं. : संशोधित **स्रोत:** वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

विवरण 4: भारत का प्रमुख पण्यों का आयात

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

पण्य / समूह	अप्रैल-जून			प्रतिशत उतार-चढ़ाव	
	2010-11	2011-12सं.	2012-13 अ.	(3)/(2)	(4)/(3)
1	2	3	4	5	6
I. थोक आयात	**37,769.8**	**52,270.4**	**53,847.3**	**38.4**	**3.0**
अ. पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पाद और संबंधित सामग्री	**25,855.5**	**39,425.0**	**39,392.2**	**52.5**	**-0.1**
आ. अधिक उपभोग वाली वस्तुएं	**1,995.1**	**2,449.2**	**3,341.7**	**22.8**	**36.4**
1. गेहूँ	13.1	0.0	0.3	-	-
2. अनाज और अनाज से बनी वस्तुएं	11.7	19.7	14.6	67.9	-26.1
3. खाद्य तेल	1,340.7	2,004.4	2,995.0	49.5	49.4
4. दालें	318.7	424.5	331.0	33.2	-22.0
5. चीनी	310.9	0.6	0.9	-99.8	56.1
इ. अन्य थोक मदें	**9,919.2**	**10,396.2**	**11,113.3**	**4.8**	**6.9**
1. उर्वरक	**2,049.8**	**1,483.2**	**1,361.0**	**-27.6**	**-8.2**
क) कच्चा तेल	163.9	257.7	354.6	57.2	37.6
ख) सल्फर और अनरोस्टेड आयरन पाइराइट	65.7	88.4	101.3	34.6	14.6
ग) विनिर्मित माल	1,820.2	1,137.1	905.1	-37.5	-20.4
2. अलौह धातुएं	1,034.3	1,268.2	1,192.2	22.6	-6.0
3. पेपर, पेपरबोर्ड और अखबारी कागज सहित विनिर्मित वस्तुएं	486.7	632.9	594.2	30.0	-6.1
4. कच्ची रबड़, सिंथेटिक और पुनर्निमित रबड़ सहित	416.1	625.8	636.2	50.4	1.7
5. लुगदी और बेकार कागज	313.9	390.1	334.1	24.3	-14.4
6. लौह अयस्क और धातु स्क्रैप आदि	2,535.8	3,365.8	3,943.2	32.7	17.2
7. लोहा और इस्पात	3,082.6	2,630.3	3,052.5	-14.7	16.1
II. थोक से इतर आयात	**52,301.0**	**70,429.2**	**61,229.9**	**34.7**	**-13.1**
अ. पूंजीगत माल	**19,435.9**	**23,103.7**	**22,478.9**	**18.9**	**-2.7**
1. धातु से निर्मित	707.7	959.0	1,002.7	35.5	4.6
2. मशीनी औजार	462.5	747.6	690.5	61.7	-7.6
3. इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स को छोड़कर मशीनरी	5,611.2	7,590.7	7,205.9	35.3	-5.1
4. इलेक्ट्रॉनिक्स को छोड़कर इलेक्ट्रिकल मशीनरी	885.3	1,194.8	1,153.6	35.0	-3.5
5. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर सहित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं	7,415.6	8,370.6	7,775.5	12.9	-7.1
6. परिवहन उपस्कर	2,647.3	2,519.3	2,572.5	-4.8	2.1
7. प्रोजेक्ट माल	1,706.3	1,721.7	2,078.3	0.9	20.7
आ. निर्यात से संबद्ध प्रमुख मदें	**12,530.3**	**15,146.2**	**11,092.8**	**20.9**	**-26.8**
जिसमें से:					
1. मोती, बहुमूल्य और कम कीमती नग	7,589.4	9,439.7	5,185.9	24.4	-45.1
2. ऑर्गनिक और इनऑर्गनिक रसायन	3,957.3	4,501.5	4,751.1	13.8	5.5
3. वस्त्र यार्न, फैब्रिक, आदि	789.5	938.7	925.1	18.9	-1.5
4. काजू	194.1	265.7	228.1	36.9	-14.2
इ. अन्य	**20,334.8**	**32,179.2**	**27,658.3**	**58.2**	**-14.0**
जिसमें से:					
1. स्वर्ण और चांदी	8,085.3	18,185.9	9,534.2	124.9	-47.6
2. कृत्रिम रेजिन और प्लास्टिक वस्तुएं	1,827.3	1,767.8	2,123.9	-3.3	20.1
3. इलेक्ट्रिकल को छोड़कर व्यावसायिक उपकरण	1,128.4	1,191.1	1,343.8	5.6	12.8
4. कोयला, कोक और ब्रिकेट आदि	3,286.5	4,218.7	4,308.6	28.4	2.1
5. औषधीय और भेषज उत्पाद	599.4	649.8	746.3	8.4	14.9
6. रासायनिक सामग्री और उत्पाद	801.2	954.4	953.0	19.1	-0.1
7. अधात्विक खनिज की विनिर्मित वस्तुएं	338.6	465.4	524.7	37.4	12.7
कुल आयात	**90,070.7**	**122,699.6**	**115,077.2**	**36.2**	**-6.2**
ज्ञापन मदें :					
तेल से भिन्न आयात	**64,215.2**	**83,274.6**	**75,685.0**	**29.7**	**-9.1**
स्वर्ण और चांदी को छोड़कर तेल से भिन्न आयात	**56,130.0**	**65,088.7**	**66,150.8**	**16.0**	**1.6**
मुख्यत: औद्योगिक निविष्टियां *	**51,186.3**	**60,311.4**	**60,560.1**	**17.8**	**0.4**

अ.: अनंतिम सं.: संशोधित

* : स्वर्ण और चांदी, अधिक में उपभोग वाला उपभोक्ता माल, विनिर्मित उर्वरक और व्यावसायिक उपकरण को छोड़कर तेल से भिन्न आयात।

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

विवरण 5: भारत के विदेश व्यापार की दिशा - आयात

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

समूह / देश	अप्रैल-जून			प्रतिशत उतार-चढ़ाव	
	2010-11	2011-12सं.	2012-13 P	(2)/(1)	(3)/(2)
	1	2	3	4	5
I. ओईसीडी के सदस्य देश	**26,765.6**	**38,052.6**	**31,138.4**	**42.2**	**-18.2**
अ. यूरोपीय संघ	**11,067.9**	**15,147.5**	**12,892.9**	**36.9**	**-14.9**
जिसमें से:					
1. बेल्जियम	2,317.2	3,056.1	2,616.7	31.9	-14.4
2. फ्रांस	1,026.0	1,026.1	859.3	0.0	-16.3
3. जर्मनी	2,842.8	3,724.5	3,475.7	31.0	-6.7
4. इटली	1,041.3	1,461.4	1,247.6	40.3	-14.6
5. नीदरलैंड्स	392.4	496.2	554.6	26.4	11.8
6. यूके	1,222.9	2,206.1	1,676.4	80.4	-24.0
आ. उत्तर अमरीका	**5,926.0**	**6,610.2**	**6,253.2**	**11.5**	**-5.4**
1. कनाडा	564.2	555.0	463.3	-1.6	-16.5
2. अमरीका	5,361.8	6,055.2	5,789.9	12.9	-4.4
इ. एशिया और ओशिआनिआ	**5,864.9**	**6,479.0**	**6,209.9**	**10.5**	**-4.2**
जिसमें से:					
1. ऑस्ट्रेलिया	3,564.9	3,515.6	2,917.8	-1.4	-17.0
2. जापान	2,084.2	2,793.8	3,087.9	34.0	10.5
ई. अन्य ओईसीडी देश	**3,906.9**	**9,815.9**	**5,782.4**	**151.2**	**-41.1**
जिसमें से:					
1. स्विटजरलैंड	3,498.5	9,486.5	5,312.6	171.2	-44.0
II. ओपेक	**29,793.3**	**43,621.7**	**44,792.1**	**46.4**	**2.7**
जिसमें से:					
1. इंडोनेशिया	2,316.9	3,557.4	3,537.0	53.5	-0.6
2. ईरान	2,751.1	3,621.5	2,719.3	31.6	-24.9
3. इराक	1,599.1	5,556.1	4,615.7	247.5	-16.9
4. कुवैत	2,418.1	3,172.7	3,315.5	31.2	4.5
5. सऊदी अरब	4,893.2	7,331.4	8,642.5	49.8	17.9
6. संयुक्त अरब अमीरात	8,464.7	9,984.5	9,695.8	18.0	-2.9
III. पूर्वी यूरोप	**1,914.1**	**1,801.2**	**2,115.9**	**-5.9**	**17.5**
जिसमें से:					
1. रूस	1,186.3	1,006.9	1,126.6	-15.1	11.9
IV. विकासशील देश	**31,369.9**	**39,010.1**	**36,702.2**	**24.4**	**-5.9**
अ. एशिया	**24,950.6**	**31,684.2**	**29,237.5**	**27.0**	**-7.7**
क. सार्क	**439.4**	**692.1**	**559.5**	**57.5**	**-19.2**
1. अफग़ानिस्तान	19.8	22.1	18.7	11.6	-15.2
2. बांग्लादेश	60.9	149.5	130.8	145.6	-12.5
3. भूटान	36.8	47.5	41.5	29.0	-12.6
4. मालदीव	0.9	1.8	2.4	94.4	37.1
5. नेपाल	121.7	137.1	79.0	12.6	-42.3
6. पाकिस्तान	99.3	96.9	114.4	-2.4	18.1
7. श्रीलंका	100.0	237.2	172.6	137.2	-27.2
ख. अन्य विकासशील एशियाई देश	**24,511.1**	**30,992.1**	**28,678.0**	**26.4**	**-7.5**
जिसमें से:					
1. चीनी गणराज्य	11,097.8	13,456.2	13,653.5	21.3	1.5
2. हांगकांग	1,894.2	3,254.1	1,946.3	71.8	-40.2
3. दक्षिण कोरिया	2,607.1	2,933.6	3,135.7	12.5	6.9
4. मलेशिया	1,451.3	2,129.8	2,561.4	46.8	20.3
5. सिंगापुर	2,048.5	2,655.7	1,870.0	29.6	-29.6
6. थाईलैंड	1,032.0	1,368.7	1,402.3	32.6	2.5
आ. अफ्रीका	**3,447.9**	**4,659.1**	**3,881.0**	**35.1**	**-16.7**
जिसमें से:					
1. बेनिन	80.4	163.0	73.7	102.7	-54.8
2. मिस्र अरब गणराज्य	352.8	857.6	748.5	143.1	-12.7
3. केन्या	25.2	30.9	25.8	22.9	-16.7
4. दक्षिण अफ्रीका	1,710.2	2,309.1	1,498.3	35.0	-35.1
5. सूडान	61.9	195.9	13.6	216.7	-93.1
6. तंजानिया	47.3	34.6	109.5	-26.8	216.4
7. जाम्बिया	7.8	26.9	46.8	246.1	74.2
इ. लैटिन अमरीकी देश	2,971.5	2,666.8	3,583.7	-10.3	34.4
V. अन्य	**84.5**	**-21.2**	**121.9**	**-125.1**	**-675.2**
VI. अविनिर्दिष्ट	**143.2**	**235.2**	**206.7**	**64.2**	**-12.1**
कुल निर्यात	**90,070.7**	**122,699.6**	**115,077.2**	**36.2**	**-6.2**

अ. : अनंतिम सं. : संशोधित न. - नगण्य **स्रोत:** वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।